लेखांकन- एक परिचय

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» लेखांकन का परिचय और बदलती भूमिका

प्रश्न 1 (आसान). पुराने समय में लेखांकन का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – लेन-देनों का हिसाब-किताब रखना।

प्रश्न 2 (आसान). आज के लेखांकन की बदलती भूमिका का एक महत्वपूर्ण पहलू क्या है?
उत्तर – निर्णय लेने में मदद करना।

प्रश्न 3 (मध्यम). लेखांकन सिर्फ 'रिकॉर्डिंग' से आगे क्यों बढ़ गया है? कोई एक कारण बताओ।
उत्तर – आधुनिक व्यापार की बढ़ती जटिलता और बड़े फैसलों की आवश्यकता के कारण।

प्रश्न 4 (कठिन). आपकी नज़र में, एक छोटे व्यापारी के लिए लेखांकन क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर – एक छोटा व्यापारी भी लेखांकन से अपने लाभ-हानि का पता लगा सकता है, अपने खर्चों को नियंत्रित कर सकता है, और यह तय कर सकता है कि उसे अपना व्यापार कैसे आगे बढ़ाना है।

» लेखांकन का अर्थ और परिभाषाएँ

प्रश्न 5 (आसान). लेखांकन की प्रक्रिया में पहला कदम क्या है?
उत्तर – आर्थिक घटनाओं की पहचान करना।

प्रश्न 6 (आसान). अगर किसी घटना को पैसे में नहीं माप सकते, तो क्या उसे लेखांकन में रिकॉर्ड करेंगे?
उत्तर – नहीं।

प्रश्न 7 (मध्यम). 'लेखांकन आर्थिक सूचनाओं को पहचानने, मापने और संप्रेषित करने की एक ऐसी प्रक्रिया है' – यह परिभाषा किसने दी थी?
उत्तर – अमेरिकन एकाउंटिंग एसोसिएशन (AAA) ने।

प्रश्न 8 (कठिन). लेखांकन में संप्रेषण का क्या महत्व है? एक उदाहरण से समझाओ।
उत्तर – संप्रेषण इसलिए ज़रूरी है ताकि बिज़नेस से जुड़े लोग (जैसे मालिक, निवेशक, बैंक) वित्तीय जानकारी को समझ सकें और उसके आधार पर सही निर्णय ले सकें। उदाहरण के लिए, अगर कंपनी के शेयरहोल्डर को पता चलेगा कि कंपनी अच्छा मुनाफा कमा रही है, तो वह कंपनी में और निवेश करने का फैसला ले सकता है।

» लेखांकन प्रक्रिया के मूलभूत पहलू

प्रश्न 9 (आसान). क्या किसी कर्मचारी को नौकरी पर रखना एक 'आर्थिक घटना' है?
उत्तर – नहीं, क्योंकि इसमें सीधे तौर पर कोई पैसों का लेन-देन नहीं होता जिसे तुरंत मापा जा सके। बाद में वेतन देना आर्थिक घटना होगी।

प्रश्न 10 (आसान). अगर कोई कंपनी अपने ग्राहक को ₹10,000 का माल बेचती है, तो यह किस प्रकार की घटना है - आंतरिक या बाह्य?
उत्तर – यह एक बाह्य घटना है, क्योंकि यह कंपनी और बाहरी व्यक्ति (ग्राहक) के बीच हुई है।

प्रश्न 11 (मध्यम). एक व्यावसायिक संगठन में मैनेजर की मीटिंग को लेखांकन में क्यों रिकॉर्ड नहीं किया जाता?
उत्तर – क्योंकि मैनेजर की मीटिंग एक आर्थिक घटना नहीं है, इसे सीधे रुपयों में मापा नहीं जा सकता। इसमें पैसों का कोई लेन-देन नहीं होता।

प्रश्न 12 (कठिन). आप अपनी दुकान में एक पुराने गोदाम को नए सामान रखने के लिए तैयार करवाते हैं, जिसमें ₹20,000 खर्च होते हैं। इसमें लेखांकन के कौन-कौन से पहलू शामिल हैं और कैसे?
उत्तर – इसमें सभी तीनों पहलू शामिल हैं। यह एक 'आर्थिक घटना' है क्योंकि ₹20,000 खर्च हुए। फिर इसे 'पहचाना' गया (खर्च), 'मापा' गया (₹20,000), 'लेखा-जोखा' में दर्ज किया गया, और यह 'जानकारी संप्रेषित' भी होगी। और यह सब आपके 'संगठन' के भीतर हो रहा है।

» आर्थिक घटनाएँ (बाह्य और आंतरिक)

प्रश्न 13 (आसान). बताओ, अगर एक कंपनी ने बैंक से लोन लिया, तो यह कौन सी आर्थिक घटना होगी?
उत्तर – बाह्य घटना

प्रश्न 14 (आसान). एक मिठाई की दुकान ने 5 किलो चीनी गोदाम से निकालकर लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल की। यह कौन सी घटना है?
उत्तर – आंतरिक घटना

प्रश्न 15 (मध्यम). एक फैक्ट्री ने अपने कर्मचारियों को महीने का वेतन दिया। क्या यह बाह्य घटना है या आंतरिक? कारण बताओ।
उत्तर – यह एक बाह्य घटना है, क्योंकि कर्मचारी कंपनी से अलग एक 'व्यक्ति' हैं जिन्हें भुगतान किया जा रहा है। हालांकि वे अंदर काम करते हैं, पर पैसों का लेन-देन एक बाहरी इकाई (कर्मचारी) के साथ हो रहा है।

प्रश्न 16 (कठिन). एक लकड़ी के फर्नीचर बनाने वाली कंपनी ने 10 घन फुट लकड़ी खरीदी और उसे अपने वेयरहाउस में रखवा दिया। बाद में, उसने उसी लकड़ी में से 5 घन फुट लकड़ी को अपने प्रोडक्शन विभाग में भेज दिया, ताकि टेबल बन सकें। इन दोनों घटनाओं को पहचानो और बताओ कि कौन सी 'आर्थिक घटना' है और क्यों?
उत्तर – लकड़ी खरीदना (10 घन फुट): यह एक बाह्य आर्थिक घटना है क्योंकि कंपनी ने लकड़ी बाहर के सप्लायर से खरीदी और इसके लिए पैसे चुकाए। लकड़ी को वेयरहाउस से प्रोडक्शन विभाग में भेजना (5 घन फुट): यह एक आंतरिक आर्थिक घटना है। हालाँकि इसमें सीधे पैसों का लेन-देन नहीं हुआ, पर लकड़ी का मूल्य है जिसे पैसों में मापा जा सकता है, और यह कंपनी के आंतरिक विभागों के बीच हुआ है।

» पहचान, मापन, अभिलेखन और संप्रेषण

प्रश्न 17 (आसान). अगर एक कंपनी ने ₹20,000 का माल नकद बेचा, तो ये किस चरण में आएगा? (पहचान/मापन/अभिलेखन/संप्रेषण)
उत्तर – पहचान

प्रश्न 18 (आसान). रमन ने अपनी दुकान का ₹5,000 का बिजली का बिल भरा। इस घटना का मूल्य क्या है? (किस चरण से संबंधित है)
उत्तर – मापन

प्रश्न 19 (मध्यम). एक व्यापार में, पुराने कंप्यूटर खराब हो गए। क्या यह घटना लेखांकन प्रक्रिया के किसी भी चरण में आएगी? क्यों या क्यों नहीं?
उत्तर – नहीं, क्योंकि इसका सीधा मौद्रिक मापन नहीं किया जा सकता (जब तक कि उन्हें बेचकर कोई पैसे न मिलें या उन्हें ठीक कराने का खर्च न हो)। सिर्फ़ 'खराब हो गए' कहने से ये वित्तीय घटना नहीं बनती।

प्रश्न 20 (कठिन). एक कंपनी ने नया मार्केटिंग मैनेजर नियुक्त किया, जिसकी सैलरी ₹70,000 प्रति माह तय हुई। लेखांकन प्रक्रिया के इन चार चरणों के हिसाब से आप इसे कैसे देखेंगे?
उत्तर – मैनेजर की 'नियुक्ति' को सीधे रिकॉर्ड नहीं किया जाएगा (पहचान नहीं होगी), क्योंकि ये एक गैर-वित्तीय घटना है। हाँ, जब उसे 'सैलरी' दी जाएगी (₹70,000 का भुगतान), तो वह एक वित्तीय घटना मानी जाएगी और उसका 'पहचान', 'मापन', 'अभिलेखन' और 'संप्रेषण' होगा।

» लेखांकन सूचना के उपयोगकर्ता (आंतरिक और बाह्य)

प्रश्न 21 (आसान). किसी कंपनी का CEO (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) लेखांकन सूचना का कौन सा उपयोगकर्ता है – आंतरिक या बाह्य?
उत्तर – आंतरिक उपयोगकर्ता

प्रश्न 22 (आसान). क्या शेयरधारक (Shareholders) लेखांकन सूचना के आंतरिक उपयोगकर्ता होते हैं?
उत्तर – नहीं, वे बाह्य उपयोगकर्ता होते हैं।

प्रश्न 23 (मध्यम). एक कंपनी को उधार देने से पहले बैंक को कौन सी लेखांकन जानकारी चाहिए होगी और वह किस प्रकार का उपयोगकर्ता है?
उत्तर – बैंक को कंपनी की वित्तीय स्थिति, लाभ-हानि, और नकदी प्रवाह की जानकारी चाहिए होगी। बैंक एक बाह्य उपयोगकर्ता है।

प्रश्न 24 (कठिन). सरकार और एक संभावित निवेशक दोनों ही किसी कंपनी की लेखांकन सूचना का उपयोग करते हैं, लेकिन उनके मुख्य उद्देश्य में क्या अंतर होता है?
उत्तर – सरकार का मुख्य उद्देश्य टैक्स लगाना, नियमों का पालन करवाना और देश की आर्थिक नीति बनाना होता है। वहीं, एक संभावित निवेशक का मुख्य उद्देश्य यह तय करना होता है कि उस कंपनी में पैसा लगाना सुरक्षित और लाभदायक होगा या नहीं।

» लेखांकन एक सूचना स्रोत के रूप में और इसकी शाखाएँ

प्रश्न 25 (आसान). व्यापार में सही निर्णय लेने के लिए लेखांकन क्या प्रदान करता है?
उत्तर – सही निर्णय लेने के लिए लेखांकन उपयोगी जानकारी प्रदान करता है.

प्रश्न 26 (आसान). कौन सी लेखांकन शाखा मुख्य रूप से कंपनी के पिछले वित्तीय प्रदर्शन को दर्शाती है?
उत्तर – वित्तीय लेखांकन कंपनी के पिछले वित्तीय प्रदर्शन को दर्शाता है.

प्रश्न 27 (मध्यम). यदि एक प्रबंधक को यह जानना है कि किस उत्पाद को बनाना बंद कर देना चाहिए, तो लेखांकन की कौन सी शाखा मदद करेगी और क्यों?
उत्तर – प्रबंध लेखांकन (Management Accounting) मदद करेगा क्योंकि यह प्रबंधकों को निर्णय लेने, योजना बनाने और नियंत्रण करने के लिए आवश्यक जानकारी देता है, जिसमें उत्पादों की लाभप्रदता का आकलन भी शामिल है.

प्रश्न 28 (कठिन). लेखांकन को केवल 'पुस्तक-पालन' (book-keeping) क्यों नहीं कहा जा सकता? 'सूचना स्रोत' के रूप में इसकी भूमिका समझाइए.
उत्तर – लेखांकन को केवल पुस्तक-पालन नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह सिर्फ लेन-देनों को दर्ज करने से कहीं बढ़कर है. 'सूचना स्रोत' के रूप में यह दर्ज किए गए डेटा को उपयोगी जानकारी में बदलता है, जिसका उपयोग आंतरिक और बाहरी उपयोगकर्ता आर्थिक निर्णय लेने, प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और भविष्य की योजना बनाने के लिए करते हैं. यह केवल तथ्यों का संग्रह नहीं, बल्कि उन तथ्यों का विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण है.

» लेखांकन की गुणात्मक विशेषताएँ

प्रश्न 29 (आसान). यदि लेखांकन जानकारी में गलती हो, तो कौन सी विशेषता प्रभावित होगी?
उत्तर – विश्वसनीयता

प्रश्न 30 (आसान). एक निवेशक को किसी कंपनी के भविष्य के बारे में निर्णय लेने के लिए कौन सी विशेषता सबसे महत्वपूर्ण होगी?
उत्तर – प्रासंगिकता

प्रश्न 31 (मध्यम). एक कंपनी अपनी बैलेंस शीट को इतनी मुश्किल भाषा में बनाती है कि आम आदमी उसे समझ नहीं पाता. यह कौन सी गुणात्मक विशेषता के खिलाफ है?
उत्तर – बोधगम्यता

प्रश्न 32 (कठिन). दो अलग-अलग कंपनियाँ अपनी लाभ गणना के लिए अलग-अलग लेखांकन विधियों का उपयोग करती हैं. ऐसे में कौन सी गुणात्मक विशेषता प्रभावित होगी और क्यों?
उत्तर – तुलनात्मकता प्रभावित होगी, क्योंकि अलग-अलग विधियों के कारण उनकी वित्तीय स्थिति की सही तुलना करना मुश्किल हो जाएगा.

» लेखांकन के उद्देश्य

प्रश्न 33 (आसान). व्यापार में रोज़ाना के खर्चों और आय का हिसाब रखना लेखांकन का कौन सा उद्देश्य है?
उत्तर – लेन-देनों का व्यवस्थित लेखा रखना

प्रश्न 34 (आसान). किसी व्यवसाय ने साल के अंत में कितना मुनाफा कमाया, यह जानने के लिए लेखांकन का कौन सा उद्देश्य पूरा होता है?
उत्तर – लाभ या हानि की गणना करना

प्रश्न 35 (मध्यम). अगर कोई व्यक्ति जानना चाहता है कि उसके व्यवसाय की कुल संपत्ति और कुल कर्ज कितने हैं, तो लेखांकन का कौन सा उद्देश्य उसे यह जानकारी देगा?
उत्तर – वित्तीय स्थिति को प्रदर्शित करना

प्रश्न 36 (कठिन). एक बैंक किसी कंपनी को लोन देने से पहले उसके लेखांकन रिकॉर्ड क्यों देखता है? इसमें लेखांकन का कौन सा उद्देश्य शामिल है?
उत्तर – उपयोगकर्ताओं को सूचनाएं उपलब्ध कराना, ताकि बैंक कंपनी की साख और भुगतान क्षमता का मूल्यांकन कर सके.

» लेखांकन की आधारभूत पारिभाषिक शब्दावली - भाग 1

प्रश्न 37 (आसान). क्या एक स्कूल की कैंटीन को 'इकाई' कह सकते हैं?
उत्तर – हाँ.

प्रश्न 38 (आसान). अगर आपने साइकिल बेचकर पैसे कमाए, तो यह 'लेन-देन' है या नहीं?
उत्तर – हाँ, यह एक 'लेन-देन' है.

प्रश्न 39 (मध्यम). एक दुकानदार ने अपने निजी इस्तेमाल के लिए दुकान से चावल लिए. यह 'लेन-देन' है या नहीं? और किस तरह का?
उत्तर – हाँ, यह एक 'लेन-देन' है, जिसे 'आहरण' (Drawings) कहते हैं.

प्रश्न 40 (कठिन). आपका बिज़नेस है और आपने बैंक से ₹1 लाख का कर्ज़ लिया है. यह 'पूँजी' है, 'परिसंपत्ति' है, या 'देयता' है? और क्यों?
उत्तर – यह एक 'देयता' (Liability) है, क्योंकि यह पैसा आपको भविष्य में बैंक को वापस चुकाना है, यह मालिक द्वारा लगाया गया पैसा नहीं है.

» लेखांकन की आधारभूत पारिभाषिक शब्दावली - भाग 2

प्रश्न 41 (आसान). अगर एक दर्जी ने ₹2,500 के कपड़े सिले और उसे धागे-बटन में ₹200 लगे, तो उसका विक्रय कितना हुआ?
उत्तर – ₹2,500।

प्रश्न 42 (आसान). किसी फैक्ट्री का हर महीने का किराया 'आगम' है या 'व्यय'?
उत्तर – व्यय।

प्रश्न 43 (मध्यम). एक दुकानदार ने ₹15,000 का माल बेचा और उसे ₹12,000 में खरीदा था। इस पर उसे 'लाभ' हुआ या 'हानि' और कितने का?
उत्तर – ₹3,000 का लाभ।

प्रश्न 44 (कठिन). एक कंपनी ने ₹1,00,000 की नई मशीन खरीदी। क्या यह 'व्यय' है या 'खर्च'? क्यों?
उत्तर – 'खर्च' है, क्योंकि मशीन का लाभ एक वर्ष से अधिक समय तक मिलेगा, इसलिए यह एक परिसंपत्ति बन जाएगी।

» लेखांकन की आधारभूत पारिभाषिक शब्दावली - भाग 3

प्रश्न 45 (आसान). प्रमाणक क्या होता है?
उत्तर – किसी भी लेन-देन का सबूत, जैसे कैश मेमो या रसीद.

प्रश्न 46 (आसान). अगर कोई दुकानदार कुर्सी खरीदता है बेचने के लिए, तो वो क्या कहलाएगी?
उत्तर – माल (Goods).

प्रश्न 47 (मध्यम). आपके पिताजी ने अपने व्यापार से 5,000 रुपये घर खर्च के लिए निकाले, तो इसे लेखांकन में क्या कहेंगे?
उत्तर – आहरण (Drawings).

प्रश्न 48 (कठिन). अंतिम स्टॉक क्या होता है? इसका व्यवसाय पर क्या असर पड़ता है?
उत्तर – लेखांकन वर्ष के अंत में बिना बिका हुआ माल. यह व्यवसाय की वर्तमान स्थिति और अगले साल की बिक्री पर असर डालता है.

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक किराना स्टोर के मालिक ने महीने के अंत में अपनी बिक्री, खर्च और बचे हुए सामान का हिसाब देखा। उन्हें यह जानना है कि उन्होंने इस महीने कितना लाभ कमाया और अगले महीने उन्हें कौन सा सामान ज़्यादा खरीदना चाहिए। लेखांकन इसमें कैसे मदद करेगा?

› पहला कदम: स्टोर मालिक अपने पूरे महीने के सभी लेन-देन, जैसे ग्राहकों से मिली बिक्री, सप्लायर को किया गया भुगतान, और दूसरे खर्चे (किराया, बिजली) को लिखेंगे।

› दूसरा कदम: वह इन सभी लेन-देनों को व्यवस्थित करेंगे, यानी बिक्री को एक जगह, खर्चों को दूसरी जगह, ताकि सारी जानकारी साफ-साफ दिखे।

› तीसरा कदम: अब वह इन लिखे हुए हिसाब से अपना कुल लाभ निकालेंगे (कुल बिक्री - कुल खर्चे)।

› चौथा कदम: इस जानकारी के आधार पर वह यह भी देखेंगे कि कौन सा सामान ज़्यादा बिका, कौन सा कम। इससे वह अगले महीने के लिए यह फैसला ले पाएंगे कि किस चीज़ का स्टॉक ज़्यादा रखना है और किस चीज़ का कम।

उत्तर – इस तरह, लेखांकन ने सिर्फ हिसाब नहीं रखा, बल्कि मालिक को यह समझने में मदद की कि उनका व्यापार कैसा चल रहा है और आगे उन्हें क्या फैसले लेने चाहिए।

उदाहरण 2. मोहन ने 10,000 रुपये का सामान नगद खरीदा और 5,000 रुपये का सामान क्रेडिट पर बेचा। बताओ, लेखांकन प्रक्रिया के आधार पर इन घटनाओं को कैसे समझा जाएगा?

› पहचान: सबसे पहले हम देखेंगे कि 10,000 रुपये का सामान खरीदना और 5,000 रुपये का सामान बेचना – ये दोनों ही आर्थिक घटनाएँ हैं क्योंकि इनमें पैसे का लेन-देन शामिल है।

› मापन: हम इन घटनाओं को मौद्रिक रूप में मापेंगे, यानी 10,000 रुपये का क्रय और 5,000 रुपये का विक्रय।

› अभिलेखन: इन दोनों लेन-देनों को अपनी लेखा-पुस्तकों में ठीक तारीख के हिसाब से लिखा जाएगा – क्रय की एंट्री और विक्रय की एंट्री।

› संप्रेषण: जब ये सारे लेन-देन रिकॉर्ड हो जाएँगे, तो इनके आधार पर जो रिपोर्ट बनेगी, उसे मोहन और जो भी उससे जुड़े लोग हैं (जैसे बैंक, सप्लायर), उन्हें बताया जाएगा ताकि वे अपने बिजनेस के बारे में सही निर्णय ले सकें।

उत्तर – लेखांकन प्रक्रिया के अनुसार, ये लेन-देन आर्थिक घटनाएँ हैं जिन्हें मुद्रा में मापा, अभिलेखित किया और फिर संबंधित व्यक्तियों तक संप्रेषित किया जाएगा ताकि वे व्यावसायिक निर्णय ले सकें।

उदाहरण 3. राहुल ने अपनी कपड़े की दुकान के लिए ₹50,000 की नई सिलाई मशीन खरीदी। इस घटना को लेखांकन के मूलभूत पहलुओं के हिसाब से समझाइए।

› पहला पहलू है 'आर्थिक घटना': सिलाई मशीन खरीदना ₹50,000 में, यह एक आर्थिक घटना है क्योंकि इसमें पैसों का लेन-देन हुआ है।

› दूसरा पहलू है 'पहचान, मापन, लेखा-जोखा एवं संप्रेषण':

› - पहचान करना: हमने पहचान लिया कि यह एक वित्तीय घटना है (मशीन खरीदी गई).

› - मापना: इसका मूल्य ₹50,000 है, जिसे रुपयों में मापा जा सकता है.

› - लेखा-जोखा: इस घटना को राहुल की दुकान के बही-खातों में दर्ज किया जाएगा (मशीन खरीदी, पैसे दिए).

› - संप्रेषण: यह जानकारी दुकान के मालिक (राहुल) और अन्य संबंधित लोगों तक पहुँचायी जाएगी, जैसे कि अगर बैंक से लोन लिया हो तो बैंक को भी पता होना चाहिए.

› तीसरा पहलू है 'संगठन': राहुल की कपड़े की दुकान एक 'संगठन' है, चाहे वह एक छोटा एकल स्वामित्व ही क्यों न हो, जहाँ यह आर्थिक घटना हुई है।

उत्तर – इस तरह, राहुल की सिलाई मशीन खरीदने की घटना को लेखांकन के तीनों मूलभूत पहलुओं - आर्थिक घटना, पहचान/मापन/लेखा-जोखा/संप्रेषण, और संगठन - के तहत समझा जा सकता है।

उदाहरण 4. एक कपड़ों की फैक्ट्री ने 50,000 रुपये का कपड़ा ग्राहक को बेचा। उसी फैक्ट्री में, गोदाम से 100 मीटर कपड़ा निकालकर सिलाई विभाग को दिया गया ताकि शर्ट बन सकें। पहचानिए कि कौन सी घटना 'बाह्य' है और कौन सी 'आंतरिक'?

› पहला वाक्य पढ़ो: '50,000 रुपये का कपड़ा ग्राहक को बेचा।' यहाँ ग्राहक फैक्ट्री के बाहर का व्यक्ति है।

› दूसरा वाक्य पढ़ो: 'गोदाम से 100 मीटर कपड़ा निकालकर सिलाई विभाग को दिया गया।' यहाँ गोदाम और सिलाई विभाग दोनों फैक्ट्री के अंदर के हिस्से हैं।

› पहले वाक्य वाली घटना में पैसों का लेन-देन बाहर के व्यक्ति से हुआ, इसलिए यह 'बाह्य' घटना है।

› दूसरे वाक्य वाली घटना में कोई बाहरी व्यक्ति शामिल नहीं है, और इसका मूल्य (100 मीटर कपड़ा) मापा जा सकता है, इसलिए यह 'आंतरिक' घटना है।

उत्तर – ग्राहक को कपड़ा बेचना: बाह्य घटना। गोदाम से सिलाई विभाग को कपड़ा देना: आंतरिक घटना।

उदाहरण 5. एक कंपनी ने ₹50,000 की मशीन खरीदी, ₹10,000 का किराया दिया, और कर्मचारियों के अच्छे प्रदर्शन पर उन्हें शाबाशी दी। इन घटनाओं को लेखांकन प्रक्रिया के चरणों में कैसे दिखाएंगे?

› पहचान: सबसे पहले हम पहचानेंगे कि कौन सी घटना वित्तीय प्रकृति की है। मशीन खरीदना (₹50,000) और किराया देना (₹10,000) वित्तीय घटनाएँ हैं, क्योंकि इनमें पैसे का लेन-देन हुआ है। कर्मचारियों को शाबाशी देना एक गैर-वित्तीय घटना है, इसे हम रिकॉर्ड नहीं करेंगे।

› मापन: अब इन वित्तीय घटनाओं को मौद्रिक इकाइयों में मापेंगे। मशीन का मूल्य ₹50,000 और किराए का मूल्य ₹10,000 है। यह पहले से ही पैसों में दिया गया है।

› अभिलेखन: इन मापी हुई घटनाओं को कालक्रमानुसार (तारीख के हिसाब से) बही-खातों में दर्ज करेंगे। जैसे, 'मशीनरी

खाता डेबिट ₹50,000' और 'किराया खाता डेबिट ₹10,000' आदि।

› संप्रेषण: आखिर में, इन सभी रिकॉर्ड की गई सूचनाओं को इकट्ठा करके रिपोर्ट बनाएंगे और उन्हें कंपनी के मालिकों, प्रबंधकों और ज़रूरत पड़ने पर बैंक या सरकार जैसे बाहरी लोगों तक पहुंचाएंगे, ताकि वे सही फैसले ले सकें।

उत्तर – लेखांकन प्रक्रिया में, मशीन की खरीद और किराए का भुगतान वित्तीय लेन-देन के रूप में पहचाने, मापे, अभिलेखित और संप्रेषित किए जाएंगे, जबकि कर्मचारियों को शाबाशी देना एक गैर-वित्तीय घटना होने के कारण रिकॉर्ड नहीं किया जाएगा।

उदाहरण 6. श्यामलाल की दुकान 'श्याम किराना स्टोर' की लेखांकन सूचना को कौन-कौन उपयोग करेगा और क्यों? उपयोगकर्ताओं को आंतरिक या बाह्य में बांटिए।

› पहला: श्यामलाल खुद (दुकान का मालिक और प्रबंधक)। वह देखेगा कि दुकान को कितना लाभ हुआ, कौन सा सामान ज्यादा बिक रहा है, और कितना स्टॉक बचा है। यह 'आंतरिक उपयोगकर्ता' है क्योंकि वह व्यापार के अंदर का व्यक्ति है।

› दूसरा: वह बैंक जिसने श्यामलाल को दुकान शुरू करने के लिए लोन दिया था। बैंक देखेगा कि श्यामलाल की दुकान की आर्थिक स्थिति कैसी है, क्या वह समय पर लोन की किश्तें चुका पाएगा। यह 'बाह्य उपयोगकर्ता' है क्योंकि बैंक व्यापार के बाहर की संस्था है।

› तीसरा: वह सप्लायर जो श्यामलाल को सामान उधार पर देता है। सप्लायर देखेगा कि क्या श्यामलाल समय पर अपने बिलों का भुगतान करता है, ताकि वह आगे भी उधार दे सके। यह भी 'बाह्य उपयोगकर्ता' है क्योंकि सप्लायर व्यापार के बाहर का व्यक्ति है।

› चौथा: सरकार का आयकर विभाग। यह विभाग देखेगा कि श्यामलाल की दुकान ने कितना लाभ कमाया है, ताकि सही टैक्स लगाया जा सके। यह भी 'बाह्य उपयोगकर्ता' है क्योंकि सरकार व्यापार के बाहर की संस्था है।

उत्तर – श्यामलाल खुद (आंतरिक); बैंक, सप्लायर और सरकार (बाह्य) श्याम किराना स्टोर की लेखांकन सूचना का उपयोग करेंगे।

उदाहरण 7. एक फैक्ट्री मालिक को अपने एक उत्पाद 'खिलौना कार' की प्रति यूनिट लागत (cost per unit) जाननी है. इस जानकारी के लिए लेखांकन की कौन सी शाखा सबसे उपयोगी होगी?

› पहला कदम है ये समझना कि मालिक को किस तरह की जानकारी चाहिए. उसे 'लागत' के बारे में जानना है.

› दूसरा कदम है ये देखना कि लेखांकन की कौन सी शाखा विशेष रूप से 'लागत' से संबंधित है.

› हमने पढ़ा है कि लेखांकन की एक शाखा सीधे उत्पादों की लागत निकालने में मदद करती है.

› तो मालिक को लागत लेखांकन की जानकारी चाहिए होगी.

उत्तर – लागत लेखांकन (Cost Accounting) इस फैक्ट्री मालिक के लिए सबसे उपयोगी शाखा होगी.

उदाहरण 8. मान लो, एक कंपनी 'राम एंड संस' ने इस साल ₹5 लाख का शुद्ध लाभ दिखाया है. इसे 'उपयोगी' लेखांकन सूचना बनाने के लिए, हमें कौन-कौन सी गुणात्मक विशेषताओं पर ध्यान देना होगा?

› पहला, 'विश्वसनीयता': क्या यह लाभ का आंकड़ा सही है? क्या यह बिना किसी गलती या पक्षपात के बनाया गया है? क्या हम इस पर भरोसा कर सकते हैं कि यह व्यापार की असल स्थिति बता रहा है? हमें यह जांचना होगा कि सभी लेनदेन सही ढंग से दर्ज किए गए हों और कोई धोखाधड़ी न हुई हो.

› दूसरा, 'प्रासंगिकता': क्या यह ₹5 लाख का लाभ उन लोगों के लिए ज़रूरी है जो कंपनी में पैसा लगाने की सोच रहे हैं? क्या यह उन्हें कंपनी के भविष्य के बारे में अनुमान लगाने में मदद करेगा? या क्या यह उनके पुराने फैसलों की पुष्टि करेगा? अगर ये जानकारी समय पर और सही फैसले लेने में मदद करती है, तो ये प्रासंगिक है.

› तीसरा, 'बोधगम्यता': क्या यह लाभ का आंकड़ा उन लोगों को समझ आ रहा है जो अकाउंट्स के बहुत बड़े विशेषज्ञ नहीं हैं? क्या इसे सरल और स्पष्ट तरीके से प्रस्तुत किया गया है ताकि कोई भी इसे पढ़कर कंपनी के प्रदर्शन को समझ सके?

› चौथा, 'तुलनात्मकता': क्या यह ₹5 लाख का लाभ पिछले साल के लाभ से, या किसी दूसरी ऐसी ही कंपनी के लाभ से तुलना करने योग्य है? क्या हमने लाभ निकालने के लिए वही नियम और तरीके अपनाए हैं जो पिछले साल या दूसरी कंपनियों ने अपनाए हैं? ताकि हम यह देख सकें कि कंपनी आगे बढ़ रही है या पीछे जा रही है.

उत्तर – तो, 'राम एंड संस' का ₹5 लाख का शुद्ध लाभ तभी 'उपयोगी' लेखांकन सूचना बनेगा, जब उसमें ये चारों गुणात्मक विशेषताएँ – विश्वसनीयता, प्रासंगिकता, बोधगम्यता और तुलनात्मकता – मौजूद हों.

उदाहरण 9. एक छोटा किराना स्टोर है। हमें लेखांकन के उद्देश्यों को समझना है। चलो देखते हैं यह कैसे मदद करेगा।

› पहला उद्देश्य, 'लेन-देनों का व्यवस्थित लेखा रखना': दुकानदार को रोज़ का सारा सामान बेचना, खरीदना, किराया देना, बिजली का बिल भरना - इन सबका हिसाब रजिस्टर में लिखना होगा, ताकि कुछ भी भूले नहीं और सारा हिसाब-किताब एक जगह रहे.

› दूसरा उद्देश्य, 'लाभ या हानि की गणना करना': महीने के आखिर में, दुकानदार सारे खर्चों (जैसे सामान खरीदने में लगे पैसे, किराया, बिजली) को अपनी कमाई (सामान बेचकर मिले पैसे) से घटाकर देखेगा कि उसे कुल कितना 'लाभ' हुआ या 'हानि' हुई.

› तीसरा उद्देश्य, 'वित्तीय स्थिति दिखाना': यह जानने के लिए कि दुकान के पास अभी कितनी 'संपत्ति' (जैसे दुकान का सामान, कैश) है और कितने 'दायित्व' (जैसे सप्लायर को कितने पैसे देने हैं) हैं, वह एक बैलेंस शीट बनाएगा. इससे पता चलेगा कि उसकी दुकान आर्थिक रूप से कितनी मज़बूत है.

› चौथा उद्देश्य, 'उपयोगकर्ताओं को सूचना देना': अगर दुकानदार को बैंक से लोन लेना है या किसी और को अपनी दुकान में पैसा लगाना है, तो वह ये सारे हिसाब-किताब (कितना लाभ हुआ, कितनी संपत्ति है) उन लोगों को दिखाएगा. यह जानकारी उन्हें सही फैसला लेने में मदद करेगी.

उत्तर – इस तरह, लेखांकन किराना स्टोर के सभी वित्तीय कार्यों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखता है, लाभ-हानि बताता है, वित्तीय स्थिति दिखाता है और ज़रूरी लोगों को सही जानकारी देता है.

उदाहरण 10. एक नया टेलरिंग का बिज़नेस शुरू हुआ. मालिक ने ₹50,000 नकद लगाए, ₹10,000 की सिलाई मशीन खरीदी, और ₹5,000 का कपड़ा उधार पर लिया. इन शब्दों को समझाइए: इकाई, पूँजी, परिसंपत्ति, देयता, लेन-देन.

› सबसे पहले, यह टेलरिंग बिज़नेस एक अलग 'इकाई' है. मालिक ने जो पैसे लगाए, वो बिज़नेस की 'पूँजी' है.

› मालिक ने जो ₹50,000 नकद लगाए और ₹10,000 की सिलाई मशीन खरीदी, यह सब 'लेन-देन' हैं.

› बिज़नेस के पास जो ₹50,000 नकद और ₹10,000 की सिलाई मशीन है, ये सब 'परिसंपत्तियाँ' हैं क्योंकि इनसे भविष्य में लाभ मिलेगा.

› जो ₹5,000 का कपड़ा उधार पर लिया है, वह 'देयता' है क्योंकि इसे बाद में चुकाना है.

› इस प्रकार, हर क्रिया को लेखांकन के शब्दों में बांटा जाता है.

उत्तर – टेलरिंग बिज़नेस: इकाई; ₹50,000 नकद: पूँजी, परिसंपत्ति; सिलाई मशीन: परिसंपत्ति; कपड़ा उधार: देयता; सभी खरीद: लेन-देन.

उदाहरण 11. एक किराने की दुकान ने एक महीने में ₹50,000 का सामान बेचा। उसे ₹10,000 किराया, ₹5,000 बिजली का बिल और ₹8,000 वेतन देना पड़ा। इस महीने का 'लाभ' या 'हानि' ज्ञात कीजिए।

› सबसे पहले हम 'आगम' देखेंगे, जो है बिक्री से मिली राशि: ₹50,000।

› अब हम कुल 'व्यय' निकालेंगे, जिसमें किराया + बिजली + वेतन शामिल है: ₹10,000 + ₹5,000 + ₹8,000 = ₹23,000।

› अब लाभ या हानि निकालने के लिए, हम आगम में से व्यय घटाएंगे: ₹50,000 (आगम) - ₹23,000 (व्यय)।

› क्योंकि आगम व्यय से ज़्यादा है, तो यह 'लाभ' है।

उत्तर – इस महीने दुकान को ₹27,000 का लाभ हुआ।

उदाहरण 12. राजेश ने 10,000 रुपये का सामान अनिल को बेचा, जिस पर 10% व्यापारिक बट्टा दिया गया. अनिल ने अगले दिन ही पेमेंट कर दिया, तो राजेश ने उसे 2% नकद बट्टा भी दिया. राजेश के लिए इन लेन-देनों को समझाइए.

› पहला, व्यापारिक बट्टा निकालना है: 10,000 रुपये का 10% = 1,000 रुपये.

› अब सामान की कीमत व्यापारिक बट्टे के बाद: 10,000 - 1,000 = 9,000 रुपये.

› दूसरा, नकद बट्टा निकालना है: 9,000 रुपये का 2% = 180 रुपये.

› तो अनिल ने राजेश को कुल कितने पैसे दिए: 9,000 - 180 = 8,820 रुपये.

उत्तर – राजेश ने अनिल को 10,000 रुपये का सामान 1,000 रुपये व्यापारिक बट्टा और 180 रुपये नकद बट्टा देने के बाद 8,820 रुपये में बेचा.

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'लेखांकन के महत्व' या 'लेखांकन की आधुनिक भूमिका' पर छोटे प्रश्नों के रूप में आती है, तो इसकी परिभाषा और बदलती भूमिका को अच्छे से समझ लेना।

• इन पहलुओं पर बोर्ड परीक्षा में सीधे प्रश्न आ सकते हैं, खासकर 'आर्थिक घटना' और 'पहचान, मापन' के बीच के अंतर को स्पष्ट करने वाले। उदाहरणों के साथ तैयारी करना बहुत ज़रूरी है।

• बोर्ड परीक्षा में, बाह्य और आंतरिक घटनाओं के बीच का अंतर उदाहरणों के साथ पूछा जा सकता है। सही उदाहरण देने पर पूरे अंक मिलते हैं।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं कि लेखांकन प्रक्रिया के चरण क्या हैं और प्रत्येक का संक्षिप्त विवरण दें। उदाहरणों के साथ समझाना मत भूलना।

• बोर्ड परीक्षा में, आंतरिक और बाह्य उपयोगकर्ताओं के बीच के अंतर और उनके उदाहरणों पर अक्सर सीधे सवाल आते हैं. हर श्रेणी के कम से कम दो-तीन उदाहरण याद रखना ज़रूरी है.

• लेखांकन की विभिन्न शाखाओं और उनके विशिष्ट उद्देश्यों पर आधारित केस स्टडी प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछे जाते हैं, ध्यान से समझें.

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! इन चारों विशेषताओं को अच्छे से समझ लो और हर एक को उदाहरण के साथ समझाना सीखो. अक्सर इस पर सीधा सवाल आता है कि 'लेखांकन की गुणात्मक विशेषताओं का वर्णन करें'.

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर लेखांकन के उद्देश्यों पर सीधा प्रश्न आता है, इसलिए इन चारों बिंदुओं को अच्छे से समझकर याद कर लेना.

• इन सभी शब्दों की परिभाषा और उदाहरण अच्छे से याद कर लेना, ये सीधे-सीधे 2-3 नंबर के प्रश्न में आते हैं.

• व्यय और खर्च के बीच का अंतर अक्सर परीक्षा में पूछा जाता है, इसे ध्यान से समझो और उदाहरण के साथ याद रखो कि एक का फायदा उसी साल मिलता है और दूसरे का लंबे समय तक।

• यह सेक्शन बोर्ड एग्ज़ाम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. अक्सर इन शब्दों की सीधी परिभाषा या इनके बीच अंतर पूछा जाता है. जैसे, 'देनदार और लेनदार में अंतर स्पष्ट करें' या 'व्यापारिक बट्टा और नकद बट्टा में क्या फर्क है' - ऐसे सवाल सीधे 3-5 नंबर में आते हैं. हर शब्द को उदाहरण के साथ समझना.

एक नज़र में रिवीज़न

› लेखांकन: पहले हिसाब-किताब; अब निर्णय-सहायक सूचना प्रणाली।

› लेखांकन के आधार: आर्थिक घटना, पहचान/मापन/लेखा-जोखा/संप्रेषण, संगठन।

› आर्थिक घटनाएँ: बाह्य (बाहर से लेन-देन) और आंतरिक (संगठन के अंदर)।

› लेखांकन के 4 मुख्य चरण: पहचान, मापन, अभिलेखन, संप्रेषण।

› उपयोगकर्ता: आंतरिक (प्रबंधक), बाह्य (निवेशक, बैंक, सरकार). निर्णय लेने हेतु आवश्यक.

› लेखांकन: सूचना का स्रोत; मुख्य शाखाएँ: वित्तीय, लागत, प्रबंध लेखांकन.

› लेखांकन जानकारी को उपयोगी बनाने वाली 4 विशेषताएँ: विश्वसनीयता, प्रासंगिकता, बोधगम्यता, तुलनात्मकता.

› लेन-देनों का लेखा, लाभ/हानि, वित्तीय स्थिति, उपयोगकर्ताओं को सूचना देना.

› इकाई, लेन-देन, परिसंपत्तियाँ, देयताएँ, पूँजी - लेखांकन के मूल शब्द.

› विक्रय = बिक्री से आय; आगम = कुल आय; व्यय = लागत; लाभ/हानि = आगम-व्यय।

› बट्टा, प्रमाणक, माल, क्रय, आहरण, स्टॉक, देनदार, लेनदार लेखांकन के महत्वपूर्ण आधारभूत शब्द हैं.